फोरलेन रोड के जरिए बोधगया से जुड़ेगा वैशाली : मुख्यमंत्री

कार्यारंभ

- वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास
- कहा, भगवान बुद्ध ने महिलाओं को संघ में प्रवेश की दी थी अनुमति

वैशाली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री।

जासं, वैशाली : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि शीघ्र ही वैशाली को फोरलेन सड़क के जरिए बोधगया से जोड़ा जाएगा। बखि्तयारपुर-ताजपुर, गंगा नदी पर बनने वाले पुल से भी वैशाली जुड़ जाएगा। विकसित होने के बाद शांति की इस धरती पर हर कोई आना चाहेगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्तूप का रिमोट से कार्यारंभ करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैशाली शांति की भूमि है। नारी सशक्तीकरण की जगह है। यहीं से भगवान बुद्ध ने महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दी थी। कहा कि वैसे तो भगवान बुद्ध का अस्थि अवशेष आठ जगहों पर मिला था, लेकिन वास्तविक अस्थि अवशेष वैशाली में ही प्राप्त हुआ। इसका जिक्र चीनी यात्री ह्वेनसांग की पुस्तक में है। 1958 में खुदाई के दौरान यहां स्तूप का पता चला। मुख्यमंत्री ने विपश्यना को जीवित रखने के लिए यहां विपश्यना केंद्र भी बनाने का निर्देश दिया। कहा कि अभिषेक पुष्करिणी का पानी सूख जाना बहुत दुखद है। योजना तैयार की गई है। इसे एक मीटर और गहरा करने के साथ गंडक नदी से पाइपलाइन के सहारे यहां पानी पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब लालटेन का युग खत्म हो गया है। सात निश्चय योजना के तहत हर घर मे बिजली और नल से जल पहुंचा दिया गया है। पहले लोग शाम को बच्चों को डराते थे कि भूत है। अब हर घर में बिजली है।